आईआईएम टेडेक्स में देश के सफलतम 11 वक्ताओं ने युवाओं के साथ साझा किए अनुभव

खामियां दूर कर उपलब्ध संसाधनों से सफलता का मजबूत स्तंभ बनाएं

सिटी रिपोर्टर | रांची

आईआईएम रांची की ओर से रविवार को सीएमपीडीआई के सभागार में टेडेक्स आईआईएम रांची के छठे एडिशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने-अपने क्षेत्र के ख्याति प्राप्त 11 वक्ता मुख्य आकर्षण थे। कार्यक्रम का शुभारंभ पवन जी अग्रवाल ने किया। पवन जी अग्रवाल ने अपने डब्बावाला कांसेप्ट की जानकारी देने के साथ यह भी बताया कि इस कांसेप्ट को धरातल पर लागू करने के बाद किस तरह ग्राहकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में कामयाब रहे।

मेजर जनरल पीके सहगल ने कहा कि अपने जीवन में भीड़ को आकर्षित करने वाले काम या आयोजन कई बार हमें अपने जीवन की समस्याओं से निकलने में मददगार होते हैं। अन्य वक्ताओं में राजेंद्र रानी ने भी युवाओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के तहत मर्सी टेटसो ने अपनी बहन के साथ नागा लोक नृत्य की प्रस्तुति से सबका भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम के अंत में आईआईएम रांची के डायरेक्टर प्रो. शैलेंद्र सिंह ने टेडेक्स में आए तमाम वक्ताओं को सम्मानित किया।

आईआईएम स्टूडेंट्स को डब्बा वाला कांसेप्ट की जानकारी देते पवन जी अग्रवाल।

वक्ताओं ने कहा- कुछ करने का जुनून अच्छी बात, पर ध्यान रखें कि यह महंगा न पड़े

- **एसिड घटना की शिकार रितु रानी :** अपने साथ हुए एसिड अटैक के उन क्षणों को साझा किया और बताया कि उस परिस्थिति में उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ा।
- **हर्षदीप आहूजा :** आईआईएम के अलावा राजधानी के विभिन्न संस्थानों के युवाओं को बताया कि किसी भी क्षेत्र में कुछ कर लेने का जुनून तो अच्छी बात है, लेकिन कभी-कभी यह जुनून काफी महंगा पड़ता है। एक परेशानी या दबाव का कारण साबित हो सकता है।
- **शुभा विलास :** सफल जीवन पर सारगर्भित संदेश में कहा कि हर इंसान अपने जीवन में सुकून और संतोष चाहता है। इसके लिए उपलब्ध संसाधनों से बेहतर कैसे करें और अपने जीवन की खामियों को दूर कर उन्हें सफलता का मजबूत स्तंभ बनाएं।
- **प्रियदर्शिनी चटर्जी :** अपने जीवन के भय को निकालें और दूसरों को भी प्रेरित करें कि वे खुद को जानें और अपने टैलेंट को लेकर चलें।
- **आयशा बिलीमोरिया :** अपने जुनून व जोश के बल पर आगे बढ़ें। जब किसी क्षेत्र में सफलता मिलती है तो अपना उत्साह तो बढ़ता ही है। हमारी यह सफलता दूसरों के लिए मानसिक अवसाद का कारण भी बनता है।
- **मानसी प्रधान :** महिला सशक्तीकरण और देश की महिलाओं की मौजूदा दशा व दिशा पर प्रकाश डाला।
- **पद्मश्री अशोक भगत :** समावेशन को समाज का आवश्यक भाग बताया।

Dainik Bhaskar, 29.01.2018, Pg. 02